



## Chapter 12 — Formation of Indian National Congress (1885) (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना)

---

### 1. Background | पृष्ठभूमि

- By the late 19th century, discontent against British rule was rising due to:  
19वीं सदी के अंत तक, ब्रिटिश शासन के प्रति असंतोष बढ़ रहा था क्योंकि:
    - Economic exploitation (Drain of Wealth).  
आर्थिक शोषण (धन निकासी संधान्त)।
    - Racial discrimination in jobs & administration.  
नौकरियों व प्रशासन में नस्लीय भेदभाव।
    - Spread of Western education & press → rise of political consciousness.  
पश्चिमी शिक्षा व प्रेस का प्रसार राजनीति तक चेतना का उदय।
    - Role of social reformers & organisations (Brahmo Samaj, Arya Samaj, Indian Association).  
सामाजिक सुधारकों व संस्थाओं (ब्रह्म समाज, आर्य समाज, इंडियन एसोसिएशन) की भूमिका।
-



## 2. Founding of INC | कांग्रेस की स्थापना

- **Date:** 28 December 1885
- **Place:** Gokuldas Tejpal Sanskrit College, Bombay
- **Founder:** A.O. Hume (Retired British ICS officer).
- **First Session President:** W.C. Bonnerjee.
- **Participants:** 72 delegates from different provinces.

स्थापना:

- तारीख: 28 दसम्बर 1885
- स्थान: गोखुलुदास तेजेपाल संसंस्कृत कॉलेज, बॉम्बे
- संसंस्थापक: ए.ओ. ह्यूम (सेवा नवृत्त ब्रिटिश आईसीएस अधिकारी)
- प्रथम अध्यक्ष: डब्ल्यू. सी. बनर्जी
- प्रभाग: व भिन्न प्रांतों से 72 प्रतिनिधि



### 3. Objectives of INC | कांग्रेस के उद्देश्य

- To bring together educated Indians on one platform.  
शिक्षित भारतीयों को एक मंच लाना।
  - To train Indians in political work.  
भारतीयों को राजनीति का कार्य में प्रशिक्षित करना।
  - To form public opinion against unjust British policies.  
अन्यायी ब्रिटिश नीतियों के विरुद्ध जनमत बनाना।
  - To present demands to the government in peaceful & constitutional manner.  
सरकार के समक्ष माँगें शांतिपूर्ण व संवैधानिक तरीके से रखना।
- 

### 4. Early Leaders | प्रारंभिक नेता

- W.C. Bonnerjee, Dadabhai Naoroji, Pherozeshah Mehta, Surendranath Banerjee, Badruddin Tyabji, Gopal Krishna Gokhale.
  - डब्ल्यू. सी. बनज , दादाभाई नौरोजी , फरोजशाह मेहता , सुरेन्द्रनाथ बनज , बदरुद्दीन तैयैबजी , गोपालकृष्ण गोखले।
-



## 5. Nature of the Organisation | संगठन का स्वरूप

- Initially, Congress was a **safety valve theory** (as argued by Lala Lajpat Rai) – a forum to peacefully express Indian grievances.  
प्रारम्भ में कांग्रेस को सेफ्टी वाल्व थ्योरी माना गया लाला (लाजपत राय के अनुसार) - भारतीय असंतोष को शांतिपूर्वक व्यक्त करने का मंच।
  - But it gradually became the **organ of Indian nationalism**.  
पर धीरे-धीरे यह भारतीय राष्ट्रवाद का संगठन बन गई।
- 

## 6. Significance | महत्व

- First all-Indian political platform.  
पहला अखिल भारतीय राजनीति का मंच।
  - Gave rise to new political consciousness.  
नई राजनीति का जन्म दिया।
  - Laid foundation for **national movement** that culminated in independence.  
स्वतंत्रता तक पहुँचाने वाले राष्ट्रीय आंदोलन की नींव रखी।
-





## Chapter 13 – Moderate Phase (1885–1905)

### उदारवादी चरण(1885–1905)

---

#### 1. Background | पृष्ठभूमि

- The early phase of Indian National Congress (1885–1905) is called the **Moderate Phase**.  
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रारम्भिक चरण (1885-1905) उदारवादी चरण कहलाता है।
  - Leaders were mostly **educated middle-class intellectuals**: lawyers, teachers, journalists.  
नेता प्रायः शिक्षित मध्यमवर्ग के बुद्धिजीवी थे: वकील, अध्यापक, पत्रकार।
  - Believed in peaceful, constitutional methods to reform British rule.  
वे ब्रिटिश शासन में सुधार हेतु शांतिपूर्ण व संवैधानिक तरीकों में विश्वास रखते थे।
- 

#### 2. Prominent Moderate Leaders | प्रमुख उदारवादी नेता

- Dadabhai Naoroji (Grand Old Man of India).
- Gopal Krishna Gokhale.
- Pherozeshah Mehta.
- Surendranath Banerjee.



- Anand Charlu, Romesh Chandra Dutt, W.C. Bonnerjee.
  - 
  - दादाभाईनौरोजी (भारतके ग्रेंडओल्डमैन )
  - गोपालकृष्ण गोखले।
  - फरोजशाह मेहता।
  - सुरेन्द्रनाथ बनज ।  
आनंद चालू, रमेशचंद्र दत्त, डब्ल्यू.सी. बनज ।
- 

### 3. Methods of the Moderates | उदारवा दयों के तरीके

- **Petitions, prayers & memorandums** to government.  
सरकारको या चका, नवेदन व जापन देना।
  - Use of **press** to spread awareness.  
प्रेसके माध्यमसे जागरूकता फैलाना।
  - Participation in councils (after Indian Councils Act, 1892).  
प रषदों में भागलेना (भारतीय प रषद अ ध नयम 1892 के बाद)।
  - Delegations to England to present Indian viewpoint.  
इंग्लैंडमें प्र त न धर्मडल भेजकर भारतीय पक्ष रखना।
-



## 4. Demands of the Moderates | उदारवा दयों की माँगे

- **Constitutional reforms:** expansion of legislative councils, greater Indian representation.  
संवैधानिक सुधार: वधायी प रषदों का वस्तार, भारतीय प्र त न धत्व।
  - **Administrative reforms:** Indianisation of civil services.  
प्रशास नक सुधार: स वल सेवा का भारतीयकरण।
  - **Economic reforms:** reduction of land revenue, protection for handicrafts, reduction in military expenditure.  
आ थक सुधार: भू म कर में कमी, हस्त शल्प की रक्षा, सैन्य खच में कटौती।
  - **Social reforms:** spread of education, eradication of social evils.  
सामाजिक सुधार: शिक्षा का प्रसार, सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन।
- 

## 5. Important Contributions | महत्वपूर्ण योगदान

- **Drain of Wealth Theory** by Dadabhai Naoroji (Book: *Poverty and Un-British Rule in India*).  
दादाभाई नौरोजीद्वारा धन नकासी सद्धांत (पुस्तक: पॉवर्टी एंड अन- ब्रिटिश रूल इन इंडिया)।
- Creation of an **All-Indian political consciousness**.  
अखिल भारतीय राजनीति तक चेतना का नमाण ।
- Exposed exploitative nature of British policies.  
ब्रिटिश नीतियों के शोषणकारी स्वरूप को उजागर किया।



## 6. Limitations of Moderates | उदारवा दयों की सीमाएँ

- Movement limited to educated middle-class; lacked mass support.  
आंदोलन श क्षतमध्यमवर्ग तक सी मित; जनता का व्यापक समर्थन नहीं।
  - Excessive faith in British justice & liberalism.  
ब्रिटिश न्याय व उदारता पर अत्यधिक विश्वास।
  - Slow, cautious approach disappointed radical youth.  
धीमी व सतक नीति से उग्र युवाओं में नाराजा फैली।
- 

## 7. Significance | महत्व

- Provided **political training** to Indians.  
भारतीयों को राजनीति तक प्रशिक्षण दिया।
  - Prepared ground for rise of **Extremist phase (1905 onwards)**.  
उग्रवादी चरण (1905 से आगे) के उदय की भूमिका तैयार की।
  - Laid foundation of **national movement** on constitutional principles.  
राष्ट्रीय आंदोलन की नींव संवैधानिक आधार पर रखी।
-



## Chapter 14 – Growth of Extremism (1905 onwards)

### उग्रवाद का विकास (1905 से आगे)

---

#### 1. Background | पृष्ठभूमि

- Failure of Moderates to achieve significant reforms (1885–1905).  
उदारवादी दलों की असफलता (1885-1905) से महत्वपूर्ण सुधार नहीं मिले।
  - Growing discontent among educated youth and middle class.  
शिक्षित युवाओं एवं मध्यम वर्ग में असंतोष बढ़ा।
  - Harsh British policies:
    - **Partition of Bengal (1905)** by Lord Curzon.
    - Racial arrogance of officials.
    - Economic drain & famines.
    - बंगाल का विभाजन (1905) लार्ड कर्जन द्वारा।
    - अधिकांशों का नस्लीय अहंकार।
    - आर्थिक शोषण व अकाल।
-



## 2. Extremist Leaders | उग्रवादी नेता

- **BalGangadhar Tilak** – “Father of Indian Unrest”, slogan: *Swaraj is my birthright and I shall have it*.  
बाल गंगाधर तिलक “भारतीय अशांत के जनक”, नारा: स्वराज मेरा जन्म सद्ध अ धकार है और म ैं इसे लेकर रहूँगा।
  - **BipinChandra Pal** – spread nationalism through journalism & oratory.  
ब पनचंद्र पाल - पत्रका रता व भाषणों से राष्ट्रवाद फैलाया।
  - **LalaLajpat Rai** – “Punjab Kesari”, founded Servants of People Society.  
लालालाजपत राय - “पंजाब केसरी”, सर्वट्स ऑफ पीपल सोसाइटी की स्थापना।
  - Together known as **Lal-Bal-Pal**.  
संयुक्त रूप से लाल-बाल-पाल कहलाए।
- 

## 3. Methods of Extremists | उग्रवा दयों के तरीके

- Direct action, boycott, passive resistance, swadeshi & national education.  
प्रत्यक्ष कायव ही, ब हष्कार, असहयोग, स्वदेशी व राष्ट्रीय शिक्षा।
- Use of festivals (Ganapati, Shivaji) as political mobilisation tools.  
त्योहारों (गणपत, शिवाजी) का राजनीतिक उपयोग।
- Promotion of **Swadeshi (indigenous goods)** & boycott of British goods.  
स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार व अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार।



- Development of national education institutions (Bengal National College, Fergusson College, etc.).  
राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (बंगाल नेशनल कॉलेज, फर्ग्युसन कॉलेज आदि)।
- 

#### 4. Partition of Bengal (1905) | बंगाल विभाजन (1905)

- Announced by **Lord Curzon (1905)** on grounds of “administrative efficiency”.  
लार्ड कर्जन (1905) ने “प्रशासनिक सुविधा” के नाम पर घोषणा की।
  - Real motive: Divide Bengal on communal lines (Hindu majority west, Muslim majority east).  
वास्तविक उद्देश्य: बंगाल को साम्प्रदायिक आधार पर बाँटना (हिंदू-बहुल पश्चिम, मुस्लिम-बहुल पूर्व)।
  - Sparked massive **Swadeshi & Boycott Movement**.  
इससे स्वदेशी व बहिष्कार आंदोलन शुरू हुआ।
  - **Annulled in 1911** due to protests.  
1911 में रद्द कर दिया गया।
- 

#### 5. Extremist Contributions | उग्रवादीयों का योगदान

- Popularised demand of **Swaraj (Self-rule)** as goal of Congress.  
स्वराज (स्वशासन) को कांग्रेस का लक्ष्य बनाया।



- Mobilised masses, especially students, youth, women.  
जनता, विशेषकर छात्र, युवा व महिलाओं को संगठित किया।
  - Prepared ground for Gandhian mass movements.  
गांधीजी के जन आंदोलनों के लिए भूमि तैयार की।
- 

## 6. Clash of Moderates & Extremists | उदारवादी व उग्रवादी टकराव

- **Surat Split (1907):** At Surat session, Congress split into Moderates (led by Gokhale) & Extremists (Tilak, Lal-Bal-Pal).  
सूरत वभाजन (1907): सूरत अधिवेशन में कांग्रेस दो भागों में बंटी - उदारवादी (गोखले) व उग्रवादी (तलक, लाल-बाल-पाल)।
  - Moderates wanted reforms through petitions; Extremists wanted mass agitation.  
उदारवादी या चका से सुधार चाहते थे; उग्रवादी जन आंदोलन से।
  - Split weakened movement till reunification in 1916 (Lucknow Pact).  
वभाजन से आंदोलन कमजोर पड़ा; 1916 में (लखनऊ पैक्ट) पुनः एकता हुई।
- 

## 7. Significance | महत्व

- Extremists radicalised national movement, made it more assertive.  
उग्रवादीयों ने राष्ट्रीय आंदोलन को अधिक आक्रामक बनाया।





- Emphasised on self-reliance & mass participation.  
आत्म नभर तावजनसहभा गतापरज़ोर।
  - Their ideology inspired revolutionary movements later.  
उनकी वचारधारा ने आगे क्रां तकारी आंद ोलनों को प्रेरित किया।
-



# Chapter 15 – Revolutionaries and Secret Societies

## (क्रां तकारी व गुप्त संगठन )

### 1. Background | पृष्ठभूमि

- Failure of Moderates and suppression of Extremists after Surat Split (1907) created frustration among youth.  
सूरत वभाजन (1907) के बाद उदारवा दयों की असफलता व उग्रवा दयों के दमन से युवाओं में नराशा फैली।
- Partition of Bengal (1905) and British repression (e.g., deportation of Tilak, censorship of press) intensified radicalism.  
बंगाल वभाजन (1905) व ब्रिटिश दमन (जैसे तिलक का नवास न, प्रेस पर सेंसर शप) से उग्रता बढ़ी।
- Result: Rise of **Revolutionary & Secret Organisations** in India and abroad.  
परिणाम: भारत व वदेशों में क्रां तकारी व गुप्त संगठनों का उदय।

### 2. Revolutionary Activities in Bengal | बंगाल में क्रां तकारी ग त व धयाँ

- **Anushilan Samiti (1902):** Founded in Calcutta by Pramathanath Mitra; members included Aurobindo Ghosh, Barindra Ghosh, Jatin Mukherjee (Bagha Jatin).  
अनुशीलन स म त (1902): कलकत्ता में प्रमथनाथ मित्र द्वारा स्थापित - अर बंदो घोष बा रंदो घोष ज तन मुखुज (बाघा ज तन)।



- **Jugantar (1906):** Started by Barindra Ghosh, secret society engaged in armed revolution.  
जुगुंतर (1906): बा रंद् घोष द्वारा, सशस्त्र क्रांति हेतु गुप्त संगठन।
  - **Alipore Conspiracy Case (1908):** Aurobindo Ghosh arrested but acquitted; Barindra Ghosh sentenced.  
अलीपुर षड्यंत्र केस (1908): अरु बंदो घोष गिरफ्तार पर बरी; बा रंद् घोष को सजा।
- 

### 3. Revolutionaries in Punjab & North India | पंजाब व उत्तर भारत में क्रांतिकारी

- **Lala Hardayal** founded **Ghadar Party (1913, San Francisco)**.  
लाला हरदयाल ने ग़दर पार्टी (1913, सैन फ्रांसिस्को) बनाई।
  - Members published *Ghadar* newspaper; aimed at armed revolt in India.  
सदस्यों ने ग़दर अखबार निकाला; भारत में सशस्त्र विद्रोह का लक्ष्य।
  - **Kartar Singh Sarabha, Rashbehari Bose, Sachindranath Sanyal** active leaders.  
कर्तार सिंह सराभा, रास बहारी बोस, सचिंद्रनाथ सान्याल प्रमुख नेता।
- 

### 4. Revolutionaries in Maharashtra | महाराष्ट्र में क्रांतिकारी

- **Chapekar Brothers (1897):** Assassinated British officer Rand.  
चापेकर बंधु (1897): ब्रिटिश अफसर रैंड की हत्या।



- **Savarkar Brothers:** Vinayak Damodar Savarkar wrote *The First War of Indian Independence* (1909).  
सावरकर बंधु: ु वनायक दामोदर सावरकर ने *The First War of Indian Independence* (1909) लखी।
  - **Abhinav Bharat Society (1904):** Founded by Savarkars; promoted armed struggle.  
अ भनव भारत सोसाइटी (1904): सावरकर भाइयों द्वारा; सशस्त्र संघर्ष का प्रचार।
- 

## 5. Revolutionaries Abroad | वदेशों में क्रां तकारी

- **India House, London (1905):** Founded by Shyamji Krishna Varma.  
इं डया हाउस, लंदन (1905): श्यामजी कृष्ण वमा द्वारा स्था पत।
  - Associated leaders: V.D. Savarkar, Madan Lal Dhingra (assassinated Curzon Wyllie in 1909).  
प्रमुख सदस्य: वी.डी. सावरकर, मदन लाल धींगरा (1909 में कज़न वायली की हत्या)।
  - **Berlin Committee / Indian Independence Committee (1915):** Organised propaganda in Europe during WWI.  
बे र्लिन कमेटी (1915): प्रथम वश्व युद्ध के दौरान यूरोप में प्रचार।
  - **Hindustan Ghadar Party (USA, 1913):** Tried to organise armed revolt during WWI.  
हंदुस्तान ग़दर पार्टी (अमे रिका, 1913): प्रथम वश्व युद्ध में सशस्त्र वद्रोह की को शश।
-



## 6. Hindustan Republican Association (HRA) & HSRA | हंदुस्तान रिपब्लिकन एसो सेशन व HSRA

- **HRA (1924):** Founded by Sachindranath Sanyal, Jogesh Chandra Chatterjee.  
**HRA (1924):** स चंद्रनाथ सान्याल, योगेश चंद्र चटर्ज द्वारा स्थापित।
- **HSRA (1928):** Hindustan Socialist Republican Association, led by Bhagat Singh, Chandrashekhar Azad, Ramprasad Bismil, Ashfaqulla Khan, Rajguru, Sukhdev.  
**HSRA (1928):** हंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन, नेता - भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाकुल्ला, राजगुरु, सुखदेव।

### Major Incidents | प्रमुख घटनाएँ

- Kakori Conspiracy (1925).
- Assembly Bomb Incident (1929).
- Execution of Bhagat Singh, Rajguru, Sukhdev (1931).
- काकोरी षडयंत्र (1925)।
- असेम्बली बम कांड (1929)।
- भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को फाँसी (1931)।



## 7. Significance of Revolutionary Movement | क्रां तकारी आंदोलन का महत्व

- Inspired Indian youth with ideals of **sacrifice and nationalism**.  
भारतीय युवाओं को ब लदान व राष्ट्रवाद की प्रेरणा दी।
  - Though failed to overthrow British, it created fear among rulers.  
अंग्रेजों को उखाड़ने में असफल, पर शासन में भय उत्पन्न किया।
  - Supplemented Congress-led movements with militant nationalism.  
कांग्रेस आंदोलनों के साथ सशस्त्र राष्ट्रवाद का सहयोग दिया।
-



## Chapter 16 — Arrival of Gandhi & Early Movements

### गांधी का आगमन व प्रारंभिक आंदोलन

#### 1. Background | पृष्ठभूमि

- Mahatma Gandhi returned to India from South Africa in **January 1915**.  
महात्मा गांधी जनवरी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे।
- His technique of **Satyagraha (truth and non-violent resistance)** had already succeeded in South Africa.  
उनका सत्याग्रह (सत्य व अहिंसक प्रतिकार) का तरीका दक्षिण अफ्रीका में सफल हो चुका था।
- Gopal Krishna Gokhale advised him to first **study Indian conditions** before entering politics.  
गोपाल कृष्ण गोखले ने उन्हें राजनीति में प्रवेश से पहले भारतीय परिस्थितियों का अध्ययन करने की सलाह दी।

#### 2. Champaran Satyagraha (1917) | चंपारण सत्याग्रह

- **Issue:** Indigo cultivators (ryots) forced to grow indigo under **Tinkathia system** (3/20th of land).  
मुद्दा: किसानों को टनक ठिया प्रथा (भूमि का 3/20 भाग नील) के तहत नील उगाने को मजबूर किया जाता था।



- Exploitation by European planters → peasants in distress.  
यूरोपीयनील कसानों द्वारा शोषण → कसान पीड़ित।
  - Gandhi led inquiry into grievances.  
गांधीने कसानों की शिकायतों की जांच की।
  - **Result:**
    - Tinkathia system abolished.
    - First successful application of Gandhian Satyagraha in India.
    - टनक ठया प्रथा समाप्त।
    - भारत में गांधीजी का पहला सफल सत्याग्रह।
- 

### 3. Ahmedabad Mill Strike (1918) | अहमदाबाद मल हड़ताल

- **Issue:** Mill workers demanded higher wages due to plague bonus withdrawal.  
मुद्दा: प्लेग बोनस हटने के बाद मजदूरों ने अधिक वेतन की मांग की।
  - Gandhi used **hunger strike** and arbitration.  
गांधीने अनशन व मध्यस्थता का प्रयोग किया।
  - **Result:** Workers won wage increase (35%).  
परणाम: मजदूरों को 35% वेतन वृद्धि मिली।
-





#### 4. Kheda Satyagraha (1918) | खेड़ा सत्याग्रह

- **Issue:** Farmers of Kheda (Gujarat) suffered crop failure but revenue not remitted.  
मुद्दा: खेड़ा (गुजरात) के किसानों की फसलें नष्ट हुईं पर कर माफी नहीं मली।
  - Gandhi, with Sardar Patel & Indulal Yagnik, led non-payment of taxes.  
गांधी, सरदार पटेल व इंदुलाल याज्ञिक ने कर न देने का नेतृत्व किया।
  - **Result:** Revenue suspended for poor peasants.  
परणाम: गरीब किसानों का कर माफ किया गया।
- 

#### 5. Significance | महत्व

- These movements established Gandhiji as a **national leader**.  
इन आंदोलनों ने गांधीजी को राष्ट्रीय नेता बना दिया।
  - Showed the effectiveness of **non-violent Satyagraha**.  
अहिंसक सत्याग्रह की प्रभावशीलता साध गई।
  - Brought peasants & workers into freedom struggle.  
किसानों व मजदूरों को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा गया।
-



# Chapter 17 – Non-Cooperation Movement (1920–1922)

## असहयोग आंदोलन (1920–1922)

### 1. Background | पृष्ठभूमि

- After World War I, British repressive policies increased Indian discontent.  
प्रथम विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटिश दमनकारी नीतियों से भारतीय असंतोष बढ़ा।
- Key factors:
  - **Rowlatt Act (1919):** Allowed detention without trial.  
रॉलेट एक्ट (1919): बिना मुकदमे गिरफ्तारी की अनुमति।
  - **Jallianwala Bagh Massacre (1919):** General Dyer fired on peaceful gathering.  
जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919): जनरल डायर ने शांतिपूर्ण सभा पर गोली चलाई।
  - **Khilafat Movement (1919–24):** Muslims agitated against dismemberment of Turkish Caliphate.  
खिलाफत आंदोलन (1919-24): तुर्क खिलाफत के विघटन पर मुस्लिम असंतोष।



## 2. Launch of the Movement | आंदोलन की शुरुआत

- Congress session at Nagpur (1920) approved Gandhi's proposal.  
नागपुरकांग्रेस अ धवेशन (1920) में गांधीजी का प्रस्ताव स्वीकृत।
  - GandhicombedKhilafatissuewith Swaraj demand.  
गांधीजीने खलाफतप्रश्नकोस्वराजकीमाँगसेजोड़ा।
- 

## 3. Programme of Non-Cooperation | असहयोग का कार्यक्रम

- **Boycott of:**

- Government schools & colleges.
- Law courts.
- Legislative councils.
- Foreign goods.
- 
- सरकारी स्कूल कॉलेज।
- कचहरी।
- वधानपक्ष।
- वदेशी वस्त्र।

- **Promotion of:**

- Swadeshi (indigenous goods).
- National schools & colleges.



- Charkha and Khadi.
  - स्वदेशी वस्त्र।
  - राष्ट्रीय विद्यालय व कॉलेज।
  - चरखा व खादी।
- 

#### 4. Participation | सहभागिता

- **Students** left schools, joined national institutions (Jamia Millia, Kashi Vidyapeeth).  
छात्रों ने स्कूल छोड़े, राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश लिया।
  - **Lawyers** like C.R. Das, Motilal Nehru boycotted courts.  
वकील जैसे सी.आर. दास, मोतीलाल नेहरू ने कचहरी छोड़ी।
  - **Women** joined in large numbers, spread charkha & khadi.  
महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया, चरखा-खादी फैलाया।
  - **Peasants & workers** also joined, especially in UP, Bihar, Bengal.  
किसान व मजदूरों ने भी भाग लिया, विशेषकर यूपी, बिहार, बंगाल में।
- 

#### 5. Withdrawal of Movement | आंदोलन की वापसी

- February 1922 – **Chauri Chaura Incident (UP)**: Protest turned violent, mob burnt police station, 22 policemen killed.



फ़रवरी 1922 - चौरी-चौरा घटना (उत्तर प्रदेश): प्रदर्शन हंसक, थाने में आगलसल मरे।

- Gandhi immediately called off the movement, insisting on **non-violence**.  
गांधीजी ने तुरंत आंदोलन वापस लया, अ हंसा पर जोर दया।

## 6. Significance | महत्व

- First **nationwide mass movement** under Gandhi.  
गांधीजीके नेतृत्वमें पहलासबभ रतीयजन आंदोलन।
- Brought Hindu–Muslim unity (temporary, through Khilafat).  
हंदू-मुस्लिम एकता (अस्थायी, खलाफत से)।
- Politicised peasants, workers, women, students on a mass scale.  
कसानों, मजदूरों, म हलाओं, छात्रों को व्यापक पैमाने पर संगठित किया।
- Though withdrawn, it created strong **national awakening**.  
वापसी के बावजूद, इसने गहरी राष्ट्रीय चेतना पैदा की।



# Chapter 18 – Civil Disobedience Movement (1930–1934) | स वनय अवज्ञा आंदोलन (1930-1934)

---

## 1. Background | पृष्ठभूमि

- After failure of **Simon Commission (1927)** and rejection of **Nehru Report (1928)**, demand for **Purna Swaraj (Complete Independence)** arose.  
साइमन कमीशन (1927) की असफलता व नेहरू रिपोर्ट (1928) की अस्वीकृति के बाद पूर्ण स्वराज की माँग उठी।
  - **Lahore Session of Congress (Dec 1929)**: Presided by Jawaharlal Nehru, declared **Purna Swaraj** as goal; 26 January 1930 observed as **Independence Day**.  
कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (दिसंबर 1929): अध्यक्ष नेहरू, पूर्ण स्वराज को लक्ष्य घोषित; 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।
- 

## 2. Launch of the Movement | आंदोलन की शुरुआत

- **Mahatma Gandhi launched the movement on 12 March 1930 with the Dandi March (Salt Satyagraha).**  
महात्मा गांधी ने 12 मार्च 1930 को डांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) से आंदोलन की शुरुआत की।
- He marched **240 miles from Sabarmati Ashram to Dandi (Gujarat)** and broke salt law on **6 April 1930**.  
उन्होंने साबरमती आश्रम से डांडी (गुजरात) तक 240 मील पदयात्रा की और 6 अप्रैल 1930 को नमक कानून तोड़ा।



---

### 3. Forms of Civil Disobedience | स वनय अवज्ञा के रूप

- Violation of salt law.  
नमक कानून तोड़ना।
  - Boycott of foreign cloth, liquor, government schools, law courts.  
वदेशी कपड़े, शराब, सरकारी स्कूल, कचहरी का बहिष्कार।
  - Refusal to pay taxes (no-revenue campaign in some areas).  
कर न देना (कुछ क्षेत्रों में कर-अवज्ञा अभियान)।
  - Parallel government set up in some districts (e.g., Ballia, Satara).  
कुछ जिलों में समानांतर सरकारें बनीं (जैसे बलिया, सतारा)।
- 

### 4. Participation | सहभागिता

- **Women:** Sarojini Naidu, Kamaladevi Chattopadhyay, Kasturba Gandhi took part.  
महिलाएँ: सरोजिनी नायडू, कमलादेवी चट्टोपाध्याय, कस्तूरबा गांधी ने भाग लिया।
- **Peasants:** Active in U.P., Bihar, Gujarat.  
किसान: यूपी, बिहार, गुजरात में सक्रिय।



- **Tribal movements:** Led by leaders like Tana Bhagat.  
जनजातीय आंदोलन: ताना भगत जैसे नेताओं के नेतृत्व में।
  - **Youth & students** joined in large numbers.  
युवा व छात्र बड़ी संख्या में जुड़े।
- 

## 5. British Response | ब्रिटिश प्रतिक्रिया

- Government resorted to mass arrests; Gandhi arrested May 1930.  
सरकार ने व्यापक गिरफ्तारियाँ कीं; गांधीजी मई 1930 में गिरफ्तार।
  - Repression through lathi charges, firing.  
दमन - लाठीचार्ज, गोलीबारी।
  - **Round Table Conferences (1930-32):**
    - Gandhi attended Second Round Table Conference (1931) after **Gandhi-Irwin Pact**.
    - Pact: Civil Disobedience suspended; political prisoners released; right to make salt given.  
गोलमेज सम्मेलन (1930-32):
    - गांधीजी ने दूसरा सम्मेलन (1931) अटेंड किया, गांधी-इरविन समझौता के बाद।
    - समझौता: आंदोलन स्थगित; राजनीतिक कैदी रिहा; नमक बनाने का अधिकार।
-





## 6. Renewal & End of Movement | आंदोलन का पुनः आरंभ व अंत

- Movement relaunched in 1932 after Gandhi returned from London.  
गांधीजी के लंदन से लौटने पर 1932 में आंदोलन पुनः शुरू।
  - British repression harsher; thousands jailed.  
ब्रिटिश दमन और कठोर; हजारों जेल में डाले गए।
  - Finally withdrawn in **1934** due to exhaustion of masses.  
अंततः **1934** में जन-थकान के कारण आंदोलन वापस लिया गया।
- 

## 7. Significance | महत्व

- First time **salt (a common daily commodity)** was used as a symbol of resistance.  
पहली बार नमक (दैनिक वस्तु) को प्रतरोध का प्रतीक बनाया गया।
- Brought women, peasants, tribals into mainstream of national struggle.  
महिलाओं, किसानों, जनजातियों को राष्ट्रीय संघर्ष में जोड़ा।
- Established Gandhi's leadership as **undisputed leader of masses**.  
गांधीजी की छवि जन-नेता के रूप में स्थापित हुई।
- Though suspended, it built momentum for later movements (Quit India, 1942).  
वापसी के बावजूद, इसने आगे के आंदोलनों (भारत छोड़ो, 1942) की भूमिका तैयार की।





# Chapter 19 – Quit India Movement (1942)

## भारत छोड़ो आंदोलन (1942)

---

### 1. Background | पृष्ठभूमि

- World War II (1939–45) deeply affected India.  
द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45) ने भारत को गहराई से प्रभावित किया।
  - British declared India a participant in the war **without consulting Indian leaders**.  
ब्रिटिशों ने भारत को युद्ध में शामिल कर दिया, भारतीय नेताओं से बिना परामर्श।
  - **Failure of Cripps Mission (1942)**: Sir Stafford Cripps offered Dominion status after war, rejected by Congress.  
क्रिप्स मिशन (1942) की असफलता: युद्ध के बाद डोमिनियन स्टेटस का प्रस्ताव, कांग्रेस ने अस्वीकार किया।
  - Popular anger, economic hardship, famine-like conditions → demand for immediate independence.  
जनता का रोष, आर्थिक कठिनाइयाँ, अकाल जैसी स्थिति → तत्काल स्वतंत्रता की माँग।
- 

### 2. Launch of Movement | आंदोलन की शुरुआत

- **Date:** 8 August 1942



- **Place:** Bombay (Gowalia Tank Maidan, now August Kranti Maidan)
- **Congress Session presided by:** Maulana Abul Kalam Azad
- **Resolution moved by:** Jawaharlal Nehru, supported by Gandhi.
- तारीख: 8 अगस्त 1942
- स्थान: बॉम्बे (गवा लया टैंक मैदान, अब अगस्त क्रां त मैदान)
- अध्यक्षता: मौलाना अबुलु कलाम आज़ाद
- प्रस्ताव रखा: जवाहरलाल नेहरू, समर्थन गांधीजी का।
- Gandhi's famous call: **"Do or Die."**  
गांधीजी का प्रसिद्ध आह्वान: "करो या मरो।"

### 3. Nature of the Movement | आंदोलन का स्वरूप

- It was a **mass upsurge** demanding immediate British withdrawal.  
यह तत्काल ब्रिटिश प्रस्थान की मांग जन विद्रोह था।
- Leaders (Gandhi, Nehru, Patel) arrested immediately → movement became **leaderless**.  
नेता (गांधी, नेहरू, पटेल) तुरंत गिरफ्तार आंदोलन नेताहीन हुआ।



- Spontaneous uprisings across India: strikes, hartals, attacks on railways, post offices, police stations.  
पूरे भारत में स्वतःस्फूर्त वद्रोह: हड़तालें, रेल-डाकघरों-थानों पर हमले।
  - Parallel governments formed in Satara (Maharashtra), Ballia (UP), Tamluk (Bengal).  
समानांतर सरकारें बनीं- सतारा (महाराष्ट्र), बलिया (उत्तर प्रदेश), तमलुक (बंगाल)।
- 

#### 4. British Repression | ब्रिटिश दमन

- Movement brutally suppressed.  
आंदोलन का क्रूर दमन।
  - Mass arrests, public flogging, aerial bombings in some areas.  
सामूहिक गिरफ्तारियाँ, सार्वजनिक नका कोड़े, कुछ जगह हवाई बमबारी।
  - Over 1,00,000 people jailed.  
1,00,000 से अधिक लोग जेल भेजे गए।
- 

#### 5. Participation | सहभागिता

- **Students & youth:** Major role in underground activities.  
छात्र व युवा: भूमिगत गतिविधियों में महत्वपूर्ण।



- **Women:** Aruna Asaf Ali, Usha Mehta (ran underground radio).  
म हलाएँ: अरुणा आसफ़ अली, उषा मेहता (भू मगत रे डयो चलाया)।
  - **Workers & peasants:** Strikes, no-tax campaigns.  
मज़दूर व कसान: हड़तालें, कर-अवज्ञा अ भयान।
  - **Revolutionaries:** Jayaprakash Narayan, Ram Manohar Lohia, Sucheta Kriplani carried underground resistance.  
क्रां तकारी नेता: जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लो हया, सुचेता कृपलानी ने भू मगत प्र तरोध चलाया।
- 

## 6. Significance | महत्व

- Last **mass movement** launched by Gandhi before Independence.  
स्वतंत्रता से पहले गांधी जी द्वारा चलाया गया अं तम जन आंदोलन।
  - Showed determination of Indians for complete independence.  
भारतीयों के पूर्ण स्वतंत्रता के संकल्प का प्रतीक।
  - British realised they could no longer rule without Indian cooperation.  
ब्रिटिशों को एहसास हुआ कि भारतीय सहयोग के बिना शासन असंभव है।
  - Prepared ground for freedom in **1947**.  
**1947** की स्वतंत्रता के लिए भूमि तैयार हुई।
-



## Chapter 20 – Indian National Army and Subhas Chandra Bose

### भारतीय राष्ट्रीय सेना(INA) और सुभाषचंद्र बोस

---

#### 1. Background | पृष्ठभूमि

- During World War II, Japan captured large parts of Southeast Asia.  
द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान ने दक्षिण-पूर्व एशिया के बड़े हिस्से पर कब्जा किया।
  - Thousands of Indian soldiers (British Indian Army) became **Prisoners of War (POWs)**.  
हजारों भारतीय सैनिक (ब्रिटिश भारतीय सेना) युद्धबंदी (POW) बने।
  - Idea arose to form an **Indian army to fight against British with Japanese support**.  
वचार उठा कि जापानी सहयोग से ब्रिटिशों के विरुद्ध भारतीय सेना बनाई जाए।
- 

#### 2. Formation of INA | INA की स्थापना

- **First INA (1942):** Captain Mohan Singh formed it with support of Rash Behari Bose.  
**प्रथम INA (1942):** कैप्टन मोहन सिंह ने रास बहारी बोस के सहयोग से बनाई।



- Dissolved later due to differences with Japanese.  
मतभेद के कारण बाद में भंग हो गई।
- **Second INA (1943):** Subhas Chandra Bose took command after arriving in Singapore.  
द्वितीय INA (1943): सुभाषचंद्र बोस ने संग्रामपुर पहुँचकर नेतृत्व संभाला।
- Known as **Azad Hind Fauj (Free India Army)**.  
जिसे आज़ाद हंद फ़ौज कहा गया।

### 3. Subhas Chandra Bose & Azad Hind Government | सुभाषचंद्र बोस व आज़ाद हंद सरकार

- Bose escaped from India (1941), went to Germany, later reached Japan via submarine.  
बोस भारत से भागे (1941), जर्मनी पहुँचे, फिर पनडुब्बी से जापान पहुँचे।
- **Provisional Government of Azad Hind** formed in October 1943 in Singapore.  
आज़ाद हंद की अंतरिम सरकार अक्टूबर 1943 में संग्रामपुर में बनी।
- Bose assumed title of **Netaji**.  
बोस को नेताजी की उपाधि मिली।
- INA declared war against Britain & USA.  
आज़ाद हंद फ़ौज ने ब्रटेन व अमेरिका पर युद्ध की घोषणा की।
- Headquarters: Rangoon (Burma), later Andaman & Nicobar Islands handed over by Japan (renamed *Shaheed* and *Swaraj*).  
मुख्यालय: रंगून (बर्मा); बाद में जापान ने अंडमान-निकोबार दी (नाम शहीद व स्वराज)।





#### 4. Campaigns of INA | INA के अ भयान

- INA, with Japanese support, advanced into North-East India.  
जापानी सहयोग से INA ने पूवू तर भारत में प्रवेश किया।
- **Imphal & Kohima Campaign (1944):** INA hoisted tricolour at Moirang (Manipur).  
इम्फाल व को हमा अ भयान (1944): म णपुरु के मोइरांग में तरंगा फहराया।
- However, Japanese defeat in WWII led to INA retreat.  
परंतु दुव्वतीय विश्व युद्ध में जापान की हार से INA पीछे हटी।

#### 5. INA Trials | INA मुकुदमे

- After war, INA soldiers captured by British; put on trial at **Red Fort, Delhi (1945–46)**.  
युद्ध के बाद INA सैनिक पकड़े गए; लाल कला, दिल्ली (1945–46) में मुकुदमा चला।
- Prominent officers: **Shahnawaz Khan, Prem Kumar Sehgal, Gurbaksh Singh Dhillon**.  
प्रमुख अफसर: शहनवाज़ खान, प्रेम कुमार सेहगल, गुरुबखश सिंह ढल्लों।
- Defended by Congress leaders (Tej Bahadur Sapru, Bhulabhai Desai, Jawaharlal Nehru).  
कांग्रेसनेताओं ने बचाव किया (तेजे बहादुर सप्रू, भूलूभाई देसाई, नेहरू)।
- Trials created mass nationalist upsurge.  
मुकुदमों ने राष्ट्रवादी लहर पैदा की।



---

## 6. Impact & Significance | प्रभाव व महत्व

- INA struggle inspired Indians with spirit of **patriotism & sacrifice**.  
INA के संघर्ष ने भारतीयों को देशभक्ति व बलिदान की भावना दी।
  - Though militarily unsuccessful, it shook British confidence.  
सैन्य रूप से असफल होने पर भी इसने ब्रिटिश विश्वास को हला दिया।
  - The **INA trials** sparked **mutinies in Royal Indian Navy (1946)** and influenced British decision to leave India.  
**INA** मुकदमों से रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह (1946) भड़का व अंग्रेजों के भारत छोड़ने के फैसले पर असर पड़ा।
-



# Chapter 21 – Post-War Developments and Mountbatten Plan

## युद्धोत्तर घटनाएँ व माउंटबेटन योजना (1945-47)

### 1. Background | पृष्ठभूमि

- End of **World War II (1945)** → Britain economically exhausted.  
द्वितीय विश्व युद्ध (1945) की समाप्ति → ब्रिटेन आर्थिक रूप से कमजोर।
- Rising discontent in India: INA trials, naval mutiny, mass movements.  
भारत में असंतोष बढ़ा: INA मुकदमे, नौसैनिक विद्रोह, जनआंदोलन।
- Labour Party came to power in Britain (Clement Attlee as PM) – more sympathetic to Indian independence.  
ब्रिटेन में लेबर पार्टी सत्ता में (क्लेमेंट एटली प्रधानमंत्री) → भारतीय स्वतंत्रता के प्रति सहानुभूतिपूर्ण।

### 2. Key Developments (1945-47) | प्रमुख घटनाएँ (1945-47)

#### a) INA Trials (1945-46) | INA मुकदमे

- Red Fort trials created nationwide sympathy.  
लाल कला मुकदमों ने राष्ट्रव्यापी सहानुभूति जगाई।



- Sparked protests by students, workers, soldiers.  
छात्रों, मज़दूरों, सैनिकों में विरोध।

#### b) Royal Indian Navy Mutiny (1946) | रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह (1946)

- February 1946 – sailors in Bombay revolted against racial discrimination & poor conditions.  
फ़रवरी 1946 - बंबई में नाविकों ने नस्लीय भेदभाव व खराब स्थितियों के खिलाफ विद्रोह किया।
- Spread to Karachi, Calcutta, Madras.  
कराची, कलकत्ता, मद्रास तक फैला।
- Suppressed, but showed **loss of British control over armed forces**.  
दमन हुआ, पर यह सशस्त्र बलों पर ब्रिटिश नियंत्रण की कमजोरी दिखाता है।

#### c) Cabinet Mission Plan (1946) | कैबिनेट मिशन योजना (1946)

- British sent mission (Pethick-Lawrence, Cripps, A.V. Alexander).  
ब्रिटिश मिशन भेजा गया (पैथिक-लॉरेंस, क्रिप्स, ए.वी. एलेक्जेंडर)।
- Aim: Discuss transfer of power & frame constitution.  
उद्देश्य: सत्ता हस्तांतरण व संविधान तैयार करना।
- Proposed: United India with provinces grouped into 3 sections; Constituent Assembly.  
प्रस्ताव: अखंड भारत, प्रांतों को 3 समूहों में, संविधान सभा का गठन।



- Accepted initially by Congress & League, but later differences emerged.  
प्रारंभ में कांग्रेस व लीग ने स्वीकारा, पर बाद में मतभेद हुए।

#### d) Interim Government (1946) | अंतरिम सरकार (1946)

- Constituent Assembly elections held → Congress majority.  
सं विधानसभा चुनाव → कांग्रेस बहुमत।
- Interim Govt. formed under **Jawaharlal Nehru (Sept 1946)**.  
जवाहरलाल नेहरू ( सितंबर 1946) के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी।
- Muslim League initially boycotted, later joined.  
मुस्लिम लीग ने पहले बहिष्कार किया, बाद में शामिल हुई।

### 3. Mountbatten Plan (3 June 1947) | माउंटबेटन योजना (3 जून 1947)

- Last Viceroy **Lord Mountbatten** sent to India (March 1947).  
अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन भारत भेजे गए (मार्च 1947)।
- Announced **Partition Plan (3 June 1947)**:
  - India to be divided into **India & Pakistan**.
  - Princely states free to join either.
  - Boundary Commissions under Radcliffe to demarcate borders.



- Power transfer advanced to **15 August 1947**.

मुख्य बंदू

- भारतकाभारत व पा कस्तान में वभाजन।
- रयासतें कसी एक से जुड़ सकती हैं।
- सीमा नधार ण हेतु ुरैडिकलफ आयोग।
- सत्ताहस्तांतरण की त थ **15 अगस्त 1947** तय।

---

#### 4. Indian Independence Act (July 1947) | भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम

- Passed by British Parliament.  
ब्रिटिश संसद द्वारा पारित।
- Created two dominions: India & Pakistan.  
भारत व पाकिस्तान दो डोमिनियन बने।
- Each dominion given power to frame its own constitution.  
प्रत्येक डोमिनियन को अपना संविधान बनाने का अधिकार।
- End of British suzerainty over princely states.  
रयासतों पर ब्रिटिश अधिराज्य समाप्त।



## 5. Consequences | परिणाम

- Partition led to communal riots, mass migrations, loss of lives.  
वर्भाजन से सांप्रदायिक दंगे, पलायन व जान-माल का भारी नुकसान।
  - India achieved freedom on **15 August 1947**; Jawaharlal Nehru became first PM.  
भारत **15 अगस्त 1947** को स्वतंत्र हुआ; जवाहरलाल नेहरू पहले प्रधानमंत्री बने।
  - Pakistan created with **Jinnah as Governor-General**.  
पाकिस्तान बना; जिन्ना गवर्नर-जनरल बने।
- 

## 6. Significance | महत्व

- End of nearly **200 years of British rule**.  
लगभग 200 वर्ष के ब्रिटिश शासन का अंत।
  - Marked both **independence and partition** of India.  
भारत की स्वतंत्रता व वर्भाजन का प्रतीक।
  - Laid foundation of democratic governance through Constituent Assembly.  
संविधान सभा द्वारा लोकतांत्रिक शासन की नींव रखी गई।
-



## Chapter 22 – Integration of Princely States & Framing of the Constitution

### अध्याय 22 – रयासतों का वलय व सं वधान नमूना (1947-50)

---

#### 1. Background | पृष्ठभूमि

- At independence (1947), about **565 princely states** existed.  
स्वतंत्रता (1947) के समय लगभग **565** रयासतें थीं।
  - These states were not directly under British rule but under their suzerainty.  
ये रयासतें सीधे ब्रिटिश शासन के अधीन नहीं थीं, पर ब्रिटिश अधिराज्य में थीं।
  - After the Indian Independence Act (1947), princely states were free to join **India or Pakistan** or remain independent.  
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम (1947) के बाद रयासतें स्वतंत्र थीं कि भारत, पाकिस्तान से जुड़ें या स्वतंत्र रहें।
-





## 2. Role of Sardar Vallabhbhai Patel & V.P. Menon | सरदार वल्लभभाई पटेल व वी.पी.मेनन की भूमिका

- Patel (Deputy PM & Home Minister) and his secretary V.P. Menon led the **integration process**.  
पटेल (उपप्रधानमंत्री व गृहमंत्री) और उनके सचिव वी.पी. मेनन ने वलय प्रक्रिया का नेतृत्व किया।
  - Used diplomacy, persuasion, and where necessary, force.  
कूटनीति, समझौता और जहाँज़रूरी, बल का प्रयोग किया।
- 

## 3. Instruments of Accession | वलय-पत्र

- Princely states asked to sign **Instrument of Accession** – surrendering defense, foreign affairs, communications to Indian Union.  
रियासतों से कहा गया कि वे वलय-पत्र पर हस्ताक्षर करें - रक्षा, वदेश, संचार वषय भारत को सौंपें।
  - Most states willingly acceded by **15 August 1947**.  
अधिकांश रियासतें **15 अगस्त 1947** तक शामिल हो गईं।
- 

## 4. Problematic Cases | जटिल मामले

- **Junagadh (Kathiawar)**: Muslim ruler, Hindu majority; wanted to join Pakistan → revolts → plebiscite → joined India (1948).  
जूनागढ़ (काठियावाड़): मुस्लिम नवाब, हिंदू बहुसंख्यक; पाकिस्तान से जुड़ना चाहता था → जनमतसंग्रह →



भारत में वलय(1948)।

- **Hyderabad(Deccan):** Nizam wanted independence; launched “Razakars” militia; India sent **Operation Polo(1948)** → Hyderabad integrated.  
 हैदराबाद(दक्कन): नज़ामस्वतंत्र रहना चाहता था “राजाकार” म ल शया बनाई; भारत ने ऑपरेशन पोलो (1948) किया → हैदराबादका वलय।
- **Kashmir:**
  - Ruler Hari Singh hesitant, wanted independence.
  - Tribal invasion from Pakistan (Oct 1947).
  - Hari Singh signed Instrument of Accession with India (26 Oct 1947).
  - Led to **Indo-Pak war (1947–48)**; ceasefire under UN; PoK created.
  - राजा हर सिंह स्वतंत्र रहना चाहते थे।
  - पाकस्तान से कबायली हमला (अक्टूबर 1947)।
  - हर सिंहने भारत से वलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए (26 अक्टूबर 1947)।
  - भारत-पाक युद्ध (1947-48) हुआ; युद्ध वराम; पाक-अधिकृत कश्मीर (PoK) बना।

## 5. Framing of the Constitution | संवधान नमाण

- **Constituent Assembly** formed in Dec 1946 under Cabinet Mission Plan.  
 संवधान सभा का गठन दिसंबर 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के तहत हुआ।



- **Dr. Rajendra Prasad** – President of Assembly.  
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद - सभा के अध्यक्ष।
  - **Dr. B.R. Ambedkar** – Chairman of Drafting Committee.  
डॉ. भीमराव अंबेडकर - प्रारूप स म त के अध्यक्ष।
  - Other important members: Jawaharlal Nehru, Sardar Patel, Maulana Azad, Alladi Krishnaswami Ayyar.  
अन्य प्रमुख सदस्य: नेहरू, पटेल, मौलाना आज़ाद, अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर।
- 

## 6. Features of the Constitution | सं वधान की वशेषेताएँ

- **Adopted on:** 26 November 1949  
**Enforced on:** 26 January 1950 (as **Republic Day**).
- - Sovereign, Socialist, Secular, Democratic Republic.
  - Parliamentary system.
  - Fundamental Rights & Duties.
  - Directive Principles of State Policy.
  - Single citizenship, Universal Adult Franchise.



- स्वीकृत: 26 नवम्बर 1949
  - प्रभावी: 26 जनवरी 1950 (गणतन्त्र दिवस)।
    - संप्रभु, समाजवादी, धर्म नरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य।
    - संसदीय प्रणाली।
    - मौलिक अधिकार व कर्तव्य।
    - राज्य नीति निर्देशक तत्व।
    - एकल नागरिकता, सावधानीपूर्वक वयस्क मताधिकार।
- 

## 7. Significance | महत्व

- Ensured **political integration** of India (geographically & institutionally).  
भारत का राजनीतिक एकीकरण सुनिश्चित हुआ (भौगोलिक व संस्थागत)।
  - Constitution gave India a strong democratic foundation.  
संविधान ने भारत को मजबूत लोकतांत्रिक आधार दिया।
  - Marked the **final phase of freedom struggle** and birth of Republic of India.  
स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम चरण और भारतीय गणराज्य का जन्म।
-